सर्वे भी जारी • घेराबंदी का दिख रहा असर, 9 प्रतिशत के नीचे आया पॉजिटिविटी रेट

शहर के 24 प्रतिशत इलाकों में कंटेनमेंट जोन बने, गुरुवार को 6 और बनाए, 130 पर पहुंचा आंकड़ा

10 मई से लॉकडाउन में सख्ती बढ़ाते हुए हुई थी शुरुआत

भास्कर संवाददाता | रतलाम

21-5-21

10 दिन में अब तक 24 फीसदी इलाकों में कंटेनमेंट जोन बना दिए गए हैं। गुरुवार को भी नगर निगम और राजस्व अमले ने 6 इलाकों में कंटेनमेंट बनाए। इनमें अरिहंत परिसर, नूरी नगर, डोंगरा रोड, सूरजमल जैन नगर, लक्ष्मीनगर ए कॉलोनी, एमबी.नगर, लक्ष्मणपुरा पीएनटी कॉलोनी गली नंबर एक शामिल हैं। अभी तक शहर में 130 कंटेनमेंट जोन हो गए हैं।

यह है हमारे शहर में निगरानी से लेकर सफाई की कंटेनमेंट जोन व्यवस्था

कंटेनमेंट एरिया पीएनटी कॉलोनी में सैनिटाइजेशन।

- **चेकअप** - कोरोना संक्रमितों के साथ जोन के सभी घरों के सदस्यों के स्वास्थ्य की स्थिति पता करने के लिए सर्वे किया जा रहा है। सर्दी-जुकाम बुखार होने पर मेडिसिन दी जा रही है।
- **ट्रैकिंग** - कंटेनमेंट जोन और कोविड गाइडलाइन तोड़कर कोई भी बाहर तो नहीं घूम रहा, इसके लिए अफसरों की टीम दिन में कई बार जोन में जाकर चेकिंग कर रही है। बाहर मिलने पर कार्रवाई भी की जा रही है।
- **सैनिटाइजेशन** - नगर निगम ट्रैक्टर और हैंड मशीनों से सोडियम हाईपो क्लोराइड मिले पानी का छिड़काव कर कंटेनमेंट जोन को सैनिटाइज्ड कर रहा है। इसके लिए दो ट्रैक्टर और 14 हैंड मशीन वाले कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।
- **मॉनिटरिंग** - एसडीएम अभिषेक गेहलोत खुद मॉनीटरिंग कर रहे हैं। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम भी जाकर चेकिंग कर रहे हैं। रोजाना की कार्रवाई का अपडेट भी लिया जा रहा है।
- **समय सीमा** - वैसे तो 10 दिन की है लेकिन इसके पूरा होने के पहले उसी क्षेत्र में कोई पॉजिटिव निकलने पर समय सीमा को आगे बढ़ाया जा रहा है।

21-5-21

होम आइसोलेशन के 58 रोगियों को मेडिसिन किट

भास्कर संवाददाता | रतलाम

होम आइसोलेशन में रहने वाले 58 मरीजों तक गुरुवार को नगर निगम अमले ने मेडिसिन किट पहुंचाई। ई-दक्ष केंद्र से 64 मरीजों की सूची मिली थी। जिला अस्पताल के स्टोर से मेडिसिन किट लेकर अग्निशमन विभाग ने वार्ड वार दलों को दी।

58 मरीज घर पर मिले, जबकि 4 अस्पताल में भर्ती थे। 2 नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर के निकले। 4 को पहले ही किट मिल चुकी थी। एक मरीज का पता और मोबाइल नंबर गलत निकला। इसके अलावा 100 मेडिसिन किट मरीज के परिजन को भी दी गई।

21-5-21

हर वार्ड में एक मेडिकल की दुकान 24 घंटे खुली रखें

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोरोना कर्फ्यू के चलते अभी मेडिकल स्टोर्स सुबह 10 से शाम 4 बजे तक ही खुल रहे हैं। इसके बाद जिला अस्पताल और निजी नर्सिंग होम के पास के ही मेडिकल खुले रहते हैं। इससे लोगों को दवाई लेने में दिक्कत आ रही है और उन्हें घर से चार से पांच किमी दूर तक जाना पड़ रहा है। इससे दिक्कत आ रही है। पूर्व मंडी डायरेक्टर सुरेंद्रसिंह भाटी ने बताया शहर में 49 वार्ड हैं और 1250 से ज्यादा कॉलोनियां हैं। कई कॉलोनियां तो जिला अस्पताल से चार से पांच किमी दूर है। इससे वहां के लोगों को दवाई लेने के लिए बहुत दूर जाना पड़ रहा है। कई रोगी तो गंभीर बीमारियों से ग्रस्त है। इससे उन्हें दिक्कत आ रही है। ऐसे में जिला प्रशासन को चाहिए कि कम से कम हर वार्ड में एक-एक मेडिकल स्टोर्स 24 घंटे के लिए खोले जाएं ताकि लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए और उन्हें आसानी से दवाई मिल सके। उन्होंने जिला प्रशासन से हर वार्ड में एक मेडिकल स्टोर्स खोलने की मांग की है।

दै. भास्कर 21.5.21

पति ने सीएम, स्वास्थ्य मंत्री और कलेक्टर से की शिकायत

पत्नी को इलाज नहीं मिला, ब्लैक फंगस में निकालनी पड़ी आंख

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। निजी अस्पतालों में कोरोना के इलाज में दी जाने वाली दवाओं से होने वाले साइड इफेक्ट और मनमाने बिल बनाकर वसूली करने के मामले अब सामने आने लगे हैं। मंगलवार को पंडित शिवशक्तिलाल कोविड सेंटर के खिलाफ हुई शिकायत के बाद अब एक युवक ने शासकीय अस्पताल के डाक्टर जीवन चौहान पर निजी अस्पताल में पत्नी को गलत उपचार देने की शिकायत की है। युवक की पत्नी को ब्लैक फंगस की समस्या होने पर एक आंख भी निकालना पड़ी है। अभी अहमदाबाद के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

दशरथसिंह पुत्र जोरावरसिंह निवासी मोदी शंकर तहसील जावरा ने सीएम, स्वास्थ्य मंत्री व कलेक्टर रतलाम को

आयुष ग्राम के मरीज के स्वजन को आज थाने बुलाया

बंजली स्थित पंडित शिवशक्तिलाल कोविड सेंटर पर आयुष्मान कार्ड से उपचार नहीं किए जाने की शिकायत पर प्रशासकीय स्तर पर जांच की जा रही है, वहीं अस्पताल की ओर से औद्योगिक थाने पर की गई शिकायत में मरीज के स्वजन को शुक्रवार को थाने बुलाया गया है। मालूम हो कि दिलीप पुत्र लक्ष्मीनारायण राठौड़ निवासी शिवगढ़ ने कलेक्टर को की गई शिकायत में भाई देवेंद्र राठौड़ का बीपीएल व आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी 40 हजार रुपये नगद जमा करवाने व दो रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए ड्रग इंस्पेक्टर सारिका अग्रवाल द्वारा 3200 रुपये लेने का उल्लेख किया है। इधर पंडित शिवशक्तिलाल कोविड सेंटर के प्रबंधन की ओर से उपचार में 82037 रुपये का बिल बनने के बाद 15 हजार रुपये जमा कराकर मरीज को ले जाने व बकाया राशि नहीं देने की शिकायत औद्योगिक क्षेत्र थाने पर की गई है। दिलीप ने बताया कि शुक्रवार को थाने बुलाया है। भाई की तबीयत ठीक नहीं है।

चौहान ने उपचार किया। इसमें करीब एक लाख रुपये खर्च हो गए। डिस्चार्ज होने पर घर लाने के बाद पेशाब में समस्या आने पर अन्य डाक्टर को दिखाया तो पता

आंख निकाल दी गई है। दशरथसिंह ने आर्थिक मदद की मांग करते हुए डाक्टर जीवन चौहान से गलत उपचार को लेकर क्षतिपूर्ति की राशि दिलाने व दंडात्मक

नकले

से बाहर निकलने के लिए ई-पास किया अनिवार्य

जाएगा। ई-पास हासिल होने के बाद भी संबंधित व्यक्ति को अपनी आईडी अपने साथ रखना होगी जो व्यक्ति ई-पास के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में असमर्थ होंगे वे व्हाट्सएप पर आवेदन प्रेषित कर सकेंगे उन्हें व्हाट्सएप पर अनुमति मिल जाएगी।

परिस्थिति अनुसार रहेगी वैधता

जिले के अन्य स्थानों से आने वाले व्यक्तियों को भी ई-पास बनवाना अनिवार्य होगा। अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर, परिजन के लिए, चिकित्सकीय परामर्श, कोविड जांच, सिटी स्कैन, ब्लड जांच, एक्स-रे, सोनोग्राफी आदि की जांच के लिए, मेडिकल स्टोर से दवाई लाने, निकटतम संबंधी की मृत्यु होने संबंधी एवं अति आवश्यक कार्य के लिए जारी होंगे। पास की वैधता कार्य एवं परिस्थितियों के अनुसार रहेगी।

> ई-पास की रहेगी अनिवार्यता- लोगों के अनावश्यक रूप से घरों के बाहर निकलने पर रोक लगाने के लिए डिजिटल ई-पास की व्यवस्था की गई है। यह पास करने के बाद ही व्यक्ति घर के बाहर आ सकेगा। बिना पास के घूमने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> **- कुमार पुरुषोत्तम,** कलेक्टर

> कोरोना पर काबू पाने के लिए सख्ती और बढ़ाई जाएगी। लोग मॉर्निंग वॉक और इवनिंग वॉक पर ना निकले, कुछ दिनों के लिए घर में रहकर सेहत का ध्यान रखें। यदि कोई भी व्यक्ति किसी बहाने से अनावश्यक घूमता पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
>
> **- गौरव तिवारी,** एसपी

रतलाम में पैर पसार रहा ब्लैक फंगस, चार हुई मरीजों की संख्या

ब्लैक फंगस : एक महिला मरीज की आंख निकालना पड़ी, किडनी ने भी दिया जवाब

लगातार

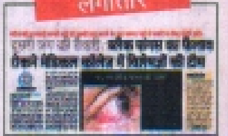

पत्रिका

पत्रिका में प्रकाशित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. कोरोना के खतरे के बाद अब रतलाम में ब्लैक फंगस के मामले सामने आने लगे हैं। बीते चार दिन के दौरान एक के बाद एक चार नए मामले सामने आ गए हैं। इनमें से दो मरीजों को अहमदाबाद में भर्ती किया गया है तो दो मरीज इंदौर में उपचार करा रहे हैं। इसके अतिरिक्त एक-दो अन्य संदिग्ध भी सामने आए हैं। इन चार मामलों में एक मामले में महिला मरीज की हालत गंभीर है। महिला की दोनों किडनी खराब हो चुकी हैं और उसकी एक आंख भी निकाली जा चुकी है। शेष मरीजों का उपचार फिलहाल जारी है।

अहमदाबाद में भर्ती जावरा क्षेत्र के गोंदी शंकर निवासी 38 वर्षीय हेम कुंवर के पति दशरथ सिंह ने रतलाम के निजी अस्पताल में उसकी पत्नी के उपचार में बरती गई लापरवाही के संबंध में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम सहित स्वास्थ्य मंत्री को सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई है। जिसने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर के द्वारा इलाज में बरती गई लापरवाही के चलते उसकी पत्नी की दोनों किडनी खराब हो गई और अब वह ब्लैक फंगस का शिकार हो गई है। डॉक्टर को फोन लगाने पर वह बात भी नहीं कर रहे हैं।

यह बताया शिकायत में

पीड़ित ने शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी हेम कुंवर की तबीयत बिगड़ने पर 25 अप्रैल को उसकी कोरोना जांच सरकारी अस्पताल जावरा में करवाई गई जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सरकारी के अस्पताल जावरा में बेड नही मिलने के कारण वह पत्नी को रतलाम ले गया। यहां भी बेड नही मिलने निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। यहां डॉक्टर ने उपचार किया था। यहां से 29 अप्रैल को पत्नी को स्वस्थ बताकर छुट्टी दे दी। लगभग एक लाख रुपए का व्यय हुआ था।

निकालना पड़ी आंख

पीड़ित ने बताया कि सरकारी अस्पताल में ही डॉक्टरों द्वारा एक जगह से दूसरी जगह भेजा जा रहा था और ईलाज न मिलने के कारण मेरी पत्नी की हालत बिगड़ रही थी। ऐसी स्थिति में दूसरे निजी केडी. अस्पताल में भर्ती करवाया है। यहां आंख का ऑपरेशन करके उनकी एक आंख निकाल दी गई है। वर्तमान में उनका ईलाज चल रहा है। पीड़ति ने प्रशासन से मांग की है कि वह डॉक्टर जिसके द्वारा लापरवाही की गई है, उससे क्षतिपूर्ति दिलवाई जाए।

घर लाने के बाद फिर हुई तकलीफ

डिस्चार्ज के बाद पत्नी को घर ले आए। यहां यूरिन पास नही हुआ तो अन्य डॉक्टर को दिखाया तब पता चला कि मेरी पत्नी की दोनों किडनी गलत दवाई देने की वजह से पूरी तरह खराब हो चुकी है। यहां से उपचार के लिए पत्नी को अहमदाबाद सरकारी अस्पताल में ले गए पर बेड नहीं मिलने की स्थिति में वहां निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। डायलिसिस व कोविड का इलाज करवाया गया। डॉक्टर ने एक ओर ब्लैक फंगस ना की बीमारी बताई है जिसका खर्च 12 से 15 लाख रुपए है।

आयुष्मान कार्ड भी नहीं मान रहे

पीड़ित ने बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, मैं एक मध्यमवर्गीय किसान हूं, इतना खर्च वहन नही कर सकता। भारत सरकार द्वारा जो आयुष्मान कार्ड बना है। उसे यहां नहीं मान रहे हैं। बहुत कोशिश करने के बाद आसरवा सरकारी अस्पताल में बेड मिला तो 11 मई को भर्ती करवाया गया। वहीं मंजू श्री अस्पताल में यहां ना तो डायलिसिस हुआ और न ब्लैक फंगस का उपचार किया गया।

पुलिस और प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

रतलाम. शहर में आगामी दिनों में लॉक डाउन के दौरान और सख्ती बरतने के संकेत मिले हैं। गुरुवार को जिला और पुलिस प्रशासन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करके लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी। एक दिन पहले बुधवार की शाम को भी पुलिस और प्रशासन ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला था। माना जा रहा है कि अब 1 जून तक पुलिस और जिला प्रशासन और ज्यादा सख्ती करने जा रहा है। वैसे 22 मई से शहर में घरों से बाहर निकलने वालों के लिए ई पास अनिवार्य कर दिया गया है।

पत्रिका
21-5-21

वीसी का असर • कांटेक्ट ट्रेसिंग शुरू, निजी डॉक्टर अपॉइंटमेंट देकर बुला सकेंगे मरीज, किराना की होम डिलीवरी 23 से बंद

10 दिन सख्ती | कल से बिना ई-पास घर से नहीं निकलें

- **मुख्यमंत्री ने बुधवार को ही वीसी में 31 मई तक संक्रमण दर शून्य करने का टारगेट दिया है**
- **हर दस गांव पर नोडल अफसर तैनात करेंगे**

भास्कर संवाददाता | रतलाम

31 मई तक बढ़ाया गया कोरोना कर्फ्यू बहुत सख्त रहेगा। 22 मई से ई-पास सिस्टम लागू होगा, इसके बगैर कोई भी व्यक्ति शहर में नहीं घूम सकेगा। पॉजिटिव निकलने वाले व्यक्तियों की कांटेक्ट ट्रेसिंग करेंगे। कलेक्टर सहित सरकारी अफसर रोजाना फ्लैग मार्च निकालकर चेकिंग करेंगे। डॉक्टर्स अब अपाइंटमेंट देकर ही मरीजों को नर्सिंग होम, क्लीनिक या अस्पताल बुला सकेंगे। ग्रामीण क्षेत्र में भी हर दस गांव पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। ये पॉजिटिव मरीज और परिवार पर नजर रखेंगे। जिले में 23 मई से किराना सामग्री की होम डिलीवरी एवं वाहनों की लोडिंग अनलोडिंग प्रतिबंधित रहेगी।

बुधवार को मुख्यमंत्री ने जिले की संक्रमण दर को बहुत अधिक बताया था। साथ ही 31 मई तक इसे शून्य करने का टारगेट भी दिया है। बता दें कि जिले में 25 मई की सुबह 6 बजे तक चलने वाले कोरोना कर्फ्यू को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान प्रशासनिक अमले को संक्रमण पर लगभग पूरी तरह काबू पाना है।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया जिले का पॉजिटिविटी रेट लगातार कम हो रहा है, लेकिन फिर भी अन्य जिलों के मुकाबले ज्यादा है। इसे और कम करने के लिए 31 मई तक चलने वाले कोरोना कर्फ्यू में ई-पास, कांटेक्ट ट्रेसिंग, फ्लैग मार्च जैसी सख्ती कर रहे हैं।

यह है ई-पास बनाने की व्यवस्था और नियम

- http://www.ratlamepass.in लिंक पर जाकर ई-पास के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह कम्प्यूटर या मोबाइल से भी किया जा सकेगा।
- मोबाइल नंबर डालते ही ओटीपी आएगा। इसके बाद नाम, पता, आधार नंबर और किस कार्य के लिए पास चाहिए यह जानकारी भरना होगी।
- ऑनलाइन आवेदन जमा होने के चार घंटे के बाद ई-पास बनकर संबंधित आवेदक के मोबाइल पर भेज दिया जाएगा। वैधता कार्य और परिस्थितियों के अनुसार रहेगी।
- शहर में निकलते समय ई-पास के बाद भी संबंधित व्यक्ति को अपनी आईडी साथ रखना होगी।
- ई-पास के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में असमर्थ व्यक्ति वाट्सएप पर आवेदन भेज सकेंगे, उन्हें वाट्सएप पर ही अनुमति मिल जाएगी।
- ई-पास को लेकर कोई समस्या होने पर लोक सेवा प्रबंधक अंकित कनेल (7879824547) से परामर्श लिया जा सकेगा।
- जिले के अन्य स्थानों से आने वाले व्यक्तियों को भी ई-पास बनवाना होगा।
- ई-पास अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर, परिजन हेतु, चिकित्सकीय परामर्श, कोविड जांच, सिटी स्कैन, ब्लड जांच, एक्सरे, सोनोग्राफी आदि की जांच, मेडिकल स्टोर से दवाई खरीदना, निकटतम संबंधी की मृत्यु होने संबंधी और अति आवश्यक काम के लिए ही जारी होंगे।

संक्रमण दर शून्य करने ये करेगा सरकारी अमल

- **कांटेक्ट ट्रेसिंग** - अब हर रोज मिलने वाले पॉजिटिव मरीजों की कांटेक्ट ट्रेसिंग भी की जाएगी।
- **एक अटेंडर** - निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों के पास सिर्फ एक ही अटेंडर रह सकेगा।
- **डॉक्टर देंगे अपाइंटमेंट** - डॉक्टर मरीजों को तय समय का अपाइंटमेंट देकर ही नर्सिंग होम, क्लीनिक बुलाएंगे।
- **वैक्सीनेशन** - शहर में रहने वाले 18 से 44 उम्र वाले ग्रामीण क्षेत्र में जाकर वैक्सीन नहीं लगा सकेंगे। उन्हें शहर के केंद्र का ही स्लॉट बुक करना होगा। नामली में 58 को वैक्सीन लगी, उसम6 स्थानीय थे, बाकी रतलाम के थे।
- **रोका-टोकी** - शनिवार से पुलिस वाहन या पैदल पर घूमने वाले हर व्यक्ति को रोकेगी। ई-पास होने और आवश्यक कार्य होने पर ही छोड़ा जाएगा।
- **फ्लैग मार्च** - कलेक्टर सहित प्रशासनिक अमला रोज अलग-अलग इलाकों में वाहन से फ्लैग मार्च करेगा। बुधवार से इसका शुरुआत हो चुकी है, गुरुवार को अलकापुरी, जवाहरनगर, पीएनटी कॉलोनी में फ्लैग मार्च निकला।
- **ग्रामीण क्षेत्र** - दस गांव पर एक नोडल अधिकारी रहेगा। घर-घर सर्वे कर जिन परिवारों को दवाइयां दी गई है, उनकी फोन करके ट्रैकिंग की जाएगी। ज्यादा संक्रमित पाए जाने पर गांव को सील किया जाएगा।

रतलाम में 146 नए पॉजिटिव मिले : 30 दिन बाद आंकड़ा 150 से कम, 5 लोगों की मौत

भास्कर संवाददाता | रतलाम

जिले में कोरोना संक्रमित मिलने के मामले अब कम होते जा रहे हैं। गुरुवार को 146 पॉजिटिव सामने आए हैं। 30 दिन बाद आंकड़ा 150 के नीचे आया है। इससे पहले 21 अप्रैल को 145 पॉजिटिव मिले थे। हालांकि मौत अब भी चिंताजनक बनी हुई है, गुरुवार को 5 लोगों ने दम तोड़ दिया। जिले में शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी पॉजिटिव सामने आ रहे हैं। अब कुल संक्रमितों का आंकड़ा 16672 हो गया है। इधर अच्छी बात ये है कि कोरोना ठीक होने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गुरुवार को 278 लोग ठीक होकर अपने घर पहुंचे हैं।

दै. भास्कर 21/5/21

मेडिकल कालेज में 31 नए मरीज भर्ती

रतलाम। शासकीय मेडिकल कालेज में गुरुवार 31 नए मरीज भर्ती हुए। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56, एचडीयू में 172 बेड, आक्सीजन बेड 180 सभी फुल हैं। नान आक्सीजन बेड 142 में से 33 पर पेशेंट भर्ती हैं। कुल 441 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती हैं। इनमें 278 पाजिटिव तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल

निगम दल ने शुरू किया नाले-नालियों की सफाई का कार्य

21-5-21

रतलाम। वर्षा ऋतु के पूर्व नगर के समस्त नाले-नालियों की सफाई करवाये का कार्य निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया द्वारा दिये गये निर्देश के तहत निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है। निगम आयुक्त झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा न्यू अलकापुरी, नौलाईपुरा, चौमुखी पुल, गणेश देवरी, स्टेशन रोड विधायक कार्यालय के सामने व पैलेस रोड वाले नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। नवभारत

नव-भारत

21-5-2021

पात्र परिवारों के ब्लैक फंगस मरीजों का होगा निःशुल्क इलाज

कोरोना कंट्रोल के लिए 10 दिन अहम विशेष सावधानी रखें : मुख्यमंत्री

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
मो.नं. 9926033955

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना नियंत्रण में प्रदेश के जिलों में अच्छा काम हुआ है। पॉजिटिविटी रेट कम होने के साथ एक्टिव केस भी कम हुए हैं। लेकिन यह मंजिल नहीं, पड़ाव है। कोरोना नियंत्रयण के लिए अगले 10 दिन अहम रहेंगे। इस दौरान विशेष सावधानी रखी जाए और कर्फ्यू का कड़ाई से पालन किया जाए। सीएम इंदौर संभाग में कोरोना नियंत्रण की गुरुवार को समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने ब्लैक फंगस के इलाज के लिए भी इंदौर को उदाहरण प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के पात्र परिवारों के ऐसे मरीजों का निःशुल्क इलाज कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, इंदौर संभाग में कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार है, मगर इंदौर आज भी हमारे लिए चुनौती है। अगले 10 दिनों का टारगेट तय करें और स्पेसिफिक रणनीति बनाकर 31 मई तक इंदौर को भी सामान्य स्थिति में लाने का प्रयास करें।

हर जिले में बनेंगे पोस्ट कोविड सेंटर – सीएम ने कहा कि प्रदेश में ब्लैक फंगस के उपचार के लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

सीएम का ऐलान, कोविड मृतकों के परिवार को 1 लाख की राशि

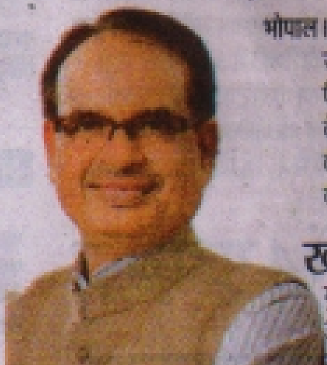

भोपाल। कोरोना संकट के इस दौर में मप्र सरकार ने गुरुवार के दिन एक बड़ा फैसला लिया, जिसे राहत के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश सरकार ने कोरोना से मृत हर व्यक्ति के परिवार को एक लाख रुपए अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है। इसकी घोषणा प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने की है। बता दें कि प्रदेश में अब तक कोरोना से 7 हजार 315 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई इस घोषणा के बाद सरकार पर 73 करोड़ 15

खरगोन और धार के लिए भी बने विशेष रणनीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर संभाग में इंदौर पहली चुनौती है, जबकि खरगोन जिला नंबर दो और धार जिला नंबर 3 पर है। अन्य सभी जिलों में संक्रमण नियंत्रण बेहतर है। धार और खरगोन के लिए भी विशेष रणनीति बनाकर सामान्य स्थिति में लाने के प्रयास होंगे।

बुरहानपुर आइडियल मॉडल : महाराष्ट्र बॉर्डर का जिला फिर भी रोका संक्रमण

संभागस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर में किए गए नवाचारों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य का सीमावर्ती जिला होने के बावजूद भी बुरहानपुर में कोरोना पर पूर्ण नियंत्रण है। उन्होंने कलेक्टर प्रवीण सिंह और टीम द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रयास व नवाचारों की प्रशंसा करते हुए जिले को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर जिला आइडियल मॉडल के रूप में स्थापित है। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने मुख्यमंत्री को संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण तथा उपायों के बारे में तैयार कर क्रियान्वित की जा रही कार्ययोजना एवं अपनाये जा रहे नवाचार बताए।

उद्योग समूह मजदूर, कर्मचारियों का टीका कराएं

इंदौर। प्रदेश में फाइजर की वैक्सीन की उम्मीद नहीं है। गुरुवार को विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सीएम ने संकेत दिए कि स्पुतनिक वैक्सीन कॉर्पोरेट सेक्टर्स में आ रही है। इस दौरान फाइजर की वैक्सीन की कोल्ड चेन पर भी बात हुई। सीएम ने कहा मप्र में ही वैक्सीन का निर्माण हो सके तो यह बहुत बड़ी सफलता होगी। इसके लिए मध्यप्रदेश में वैक्सीन उत्पादन हेतु इच्छुक निजी क्षेत्र की कंपनियों को मैं आमंत्रित करता हूं। उनसे शीघ्र ही राउंड टेबल कान्फ्रेंस कर हम भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

फाइजर की कोल्ड चैन कठिन

फाइजर की वैक्सीन को जिस टेम्प्रेचर पर मेनटेन किया जाता है उस पर स्थानीय दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाना मुमकिन नहीं है। फाइजर ने वैक्सीन वितरण के लिए 'जस्ट इन टाइम' सिस्टम तैयार किया है। इसके तहत खास तौर से बनाए गए थर्मल शिपर में –70 डिग्री के तापमान में वैक्सीनेशन लोकेशन पर भेजा जाता है। थर्मल शिपर में इन्हें 30 दिन रखा जा सकता है। इसके बाद वायल को निकालने पर अल्ट्रा लो टेम्प्रेचर फ्रीजर में रखा जाता है। लेकिन 2 से 8 डिग्री सेल्सियस पर वायल सिर्फ 5 दिन ही रखे जा सकते हैं। इस तरह केवल 35 दिन में वायल का इस्तेमाल करना पड़ता है।

पीपुल्स समाचार
21-5-21

पॉजिटिव मरीजों की संख्या 16 हजार पार, 13 हजार से अधिक ठीक हुए

रतलाम ● स्वदेश समाचार

बुधवार की रात को जारी बुलेटिन में अभी तक कोरोना संक्रमित से मरने वालों की संख्या 276 पहुंच गई है। 2881 पॉजिटिव मरीज उपचारार्थ भर्ती है। 545 मरीजों की सैम्पल रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज से आना शेष है, जबकि 338 पॉजिटिव भर्ती मरीज डिस्चार्ज किए गए है।

पॉजिटिव मरीजों की संख्या भी 16 हजार 526 तक पहुंच गई है। 13 हजार 669 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अभी तक डेढ़ लाख से ऊपर संदिग्ध केस की जांच की जा चुकी है। 2690 एक्टिव कंटेनमेंट एरिये बनाए गए है।

नगरीय क्षेत्र में 124 कंटेनमेंट झोन बनाए

ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमित मिल रहे है। उस क्षेत्र को कंटेनमेंट झोन बनाया जा रहा है जिसके तहत अब तक 124 कंटेनमेंट झोन बनाए जा चुके है। निगम आयुक्त सोमनाथ

जगह-जगह बनाए जा रहे हैं कोविड सेंटर, ताकि कोरोना मरीजों की जांच हो सके

झारिया ने बताया कि 11 से 19 मई तक टाटा नगर में 2, तेजा नगर में 2, ओझाखाली, प्रताप नगर, प्रताप नगर एक्टेंशन, प्रताप नगर एक्टेंशन में मकान नम्बर 5, 19 व 30, ऑफिसर्स कॉलोनी, बालाजी नगर, थावरिया बाजार, वकील कॉलोनी, ब्राम्हणों का वास, वेदव्यास कॉलोनी में 4, गुलमोहर कॉलोनी, देवरादेव नारायण नगर, जवाहर नगर, डोंगरे नगर, मोहन नगर, अलकापुरी अम्बे चौक के पास, आदर्श नगर गली नम्बर 3, सुनाना ड्रीम होम्स सुमंगल गार्डन के पास, कस्तूरबा नगर मुख्य मार्ग पर 2, दीनदयाल नगर मुख्य मार्ग, दीनदयाल नगर मकान नम्बर 38 व 196, दीनदयाल नगर राधा-कृष्ण स्कूल के पास, शास्त्री नगर में 2, राजपूत बोर्डिंग के पास 2, महेश नगर, सनसिटी कॉलोनी, दीनदयाल नगर सी सेक्टर में 1 व जी सेक्टर में 2, धीरजशाह नगर गली नम्बर 4 में 1 व गली नम्बर 5 में 2, सिलावटो का वास, कस्तूरबा नगर पीएडटी कॉलोनी, अम्बिका नगर, राजीव नगर, सुयोग परिसर, थावरिया बाजार, वेदव्यास कॉलोनी अभिलाषा अपार्टमेन्ट, खटीक मोहल्ला, दीनदयाल नगर डी सेक्टर, तेजा नगर गली नम्बर 4, नेमीनाथ नगर, गौशाला रोड, सुतारो का वास, जवाहर नगर, जनता नगर, अलकापुरी, भोयरा बावड़ी, ताहेरपुरा, अलकापुरी मुख्य मार्ग, कस्तूरबा नगर सांवरिया स्वीट् के पास, जवाहर नगर, बाणेश्वरी कॉलोनी, नेमीनाथ नगर, दीनदयाल नगर बी सेक्टर, तेजा नगर गली नम्बर 4 आदर्श गुरु कल्याण नगर, रिद्धी-सिद्धी कॉलोनी, सिद्धांचलम एक्सटेंशन, महेश नगर, इन्द्रा नगर, सैनिक कॉलोनी, टाटा नगर गली नम्बर 1 व 8, सिलावटों का वास अन्न क्षेत्र, करमदी रोड, सुदामा परिसर, अंजता पैलेस, राजस्व कॉलोनी, खटीक मोहल्ला, हाथीखाना, खटीक मोहल्ला, गौशाला रोड, जाटों का वास, नौलाईपुरा, टाटा नगर गली नम्बर 7, अरिहंत परिसर सेक्टर नम्बर 2 में 2 व 1 में 1, नूरी नगर ठंकाला रोड, सूरजमल जैन नगर, लक्ष्मीनगर ए कॉलोनी, एम.बी. नगर, लक्ष्मणपुरा पीएनटी कॉलोनी गली नम्बर 1, ग्लोबस टाउनशिप, अलकापुरी एमआईजी 24 व 25 व अलकापुरी डी 27 व बी 279, हिम्मत विहार कॉलोनी, अशोक नगर, करण नगर, जूनी कलालसेरी, दीनदयाल नगर एफ सेक्टर, वेदव्यास कॉलोनी, ताहेरपुरा, श्रीमालीवास, जवाहर नगर व मोहन नगर में 2 कंटेनमेंट झोन बनाए गए है। इस तरह 9 दिवस में 124 कंटेनमेंट झोन रतलाम नगरीय क्षेत्र में बनाए गए हैं।

1 वर्ष का शिशु व 3 वर्ष की बालिका भी पॉजिटिव

जिले में बुधवार को मिली 162 कोरोना जांच रिपोर्ट में रतलाम में 64, पिपलौदा में 14, जावरा में 10, ताल में 9, रावटी में 5, धराड़ में 5 एवं जिले के अन्य ग्राम बरखेड़ा कला, बड़ावदा, प्रीतमनगर, सालाखेड़ी, खांडवासा, पलसोड़ी, पाटन, बदनावरा, मल्हारगढ़, जमुनियासंकर, आम्ली, हथनारा, धौसवास, पचेड़, सिखेड़ी, उमरगार, नामड़दा, बिलपांक, लुनेरा, सिमलावदा, धतुरिया, जड़वासाकला, धामनुता, सरवन, अमरगढ़, अयाना, बिरमावल, निम्बोड़िया, तारखेड़ी, शिवगढ़, मोरदा, धामेटर, जालपुरा आदि ग्रामीण क्षेत्रों से 56 महिला व पुरुषों की कोरोना पॉजिटिव जांच रिपोर्ट आई है। रतलाम सिटी व ग्रामीण क्षेत्र के कुल मिलाकर 162 महिलाएं, पुरुष व बच्चे की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव है। इस कोरोना पॉजिटिव जांच रिपोर्ट में रतलाम का 1 वर्ष का शिशु, 3 वर्ष की बालिका, 15 वर्ष की बालिका, और ग्राम लुनेरा की 8 वर्ष की बालिका भी शामिल है।

कंटेनमेंट का उल्लंघन करने पर 3 के विरुद्ध कार्रवाई

इंद्रलोक नगर में कंटेनमेंट क्षेत्र का उल्लंघन करने पर तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। ग्लोबल सिटी इंद्रलोक नगर क्षेत्र में कंटेनमेंट क्षेत्र में संक्रमित परिवारों के अतिरिक्त अन्य मकानों में निवासरत लोगों का सैंपल लिया गया। यहां दो पॉजिटिव पाए गए। इन्हें कोविड केयर सेंटर भिजवाया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन करने पर निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही गली, मोहल्लों, कॉलोनियों में समूह बनाकर घूमने और व्यर्थ बैठने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

आईसोलेशन सेंटर बनाएं

धराड़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा एक मांगलिक भवन को आईसोलेशन सेंटर बनाया गया है। जहां दस रोगियों को रखा गया है। इसी प्रकार की व्यवस्था कई स्थानों पर सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से भी की गई है।

पोस्ट कोविड-टेलीमेडिसीन एवं सलाह के लिए 1075 पर कॉल करें

वे मरीज जो कोरोना से स्वस्थ हो चुके है वे अपने स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या एवं परामर्श के लिए 1075 नंबर पर कॉल कर सकते है जहां से डॉक्टर्स द्वारा उन्हें उचित परामर्श एवं उपचार सलाह दी जाएगी। उक्त नंबर पर वे व्यक्ति भी कॉल कर सकते है जो बीमार नहीं है परंतु अपनी शंकाओं का समाधान चाहते हैं। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि कोविड-के अलावा अन्य बीमारियों से संबंधित सलाह भी उक्त नंबर पर कॉल करने से मिलेगी।

स्वदेश 21
21 5 21

वाहनों की लोडिंग अनलोडिंग पूर्णतः प्रतिबंधित

23 मई से किराना सामग्री की होम डिलीवरी प्रतिबंधित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. कोरोना पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के दृष्टिगत जिले में आगामी 23 मई से किराना सामग्री की होम डिलीवरी एवं वाहनों की लोडिंग अनलोडिंग आगामी आदेश तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि 18 प्लस आयु वर्ग के कोविड-टीकाकरण कार्य के तहत व्यक्ति द्वारा अपने निवास स्थान के अलावा यदि अन्य स्थान पर टीका लगवाया जाता है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी द्वारा उपस्थित थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड बनाने की समीक्षा भी की गई।

कलेक्टर ने कोरोना नियंत्रण के संबंध में प्रतिदिन शाम को ली जाने वाली वीसी में निर्देश दिए कि जिले की जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोजाना गांवों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों से रेंडमली चर्चा कर उनके गांव में कोरोना संक्रमण की जानकारी लेवें। कलेक्टर ने सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं ग्रुप में सतत जानकारी लेते हुए निर्देश जारी करें। किल कोरोना सर्वेक्षण की जानकारी लेते रहे। किल कोरोना सर्वेक्षण की जानकारी लेते रहें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामों में सर्वेक्षण दलों के पास थर्मल स्कैनर हो। प्रत्येक व्यक्ति का तापमान नोट किया जाए, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास ने बताया की प्रथम चरण में सर्वेक्षण पूर्ण किया जा चुका है। कलेक्टर द्वारा 22 मई से द्वितीय सर्वेक्षण आरंभ करने के निर्देश दिए गए।

पत्रिका 21-5-21

सुधरे व्यवस्था — **वार्डवार मैजिक वाहन से आपूर्ति की तैयारी थी, मंडी बंद होने से महंगे दामों में मिल रही सब्जी**

पैकेट में सब्जी बेचने के लिए व्यापारी तैयार नहीं

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना कर्फ्यू के दौरान शहर में वार्डवार मैजिक के माध्यम से सब्जी की आपूर्ति की व्यवस्था पर अमल नहीं हो पा रहा है। मंडी प्रशासन द्वारा व्यापारियों से मिले आवेदन के बाद सूची तैयार कराई थी। प्रशासन ने सभी सब्जी विक्रेताओं का कोरोना टेस्ट कराने व निगेटिव रिपोर्ट वालों को ही सब्जी विक्रय की अनुमति दी जाना थी। इसके लिए व्यापारी तैयार थे, लेकिन पैकेट में ही सब्जी विक्रय की शर्त रखे जाने पर व्यापारियों ने मना कर दिया। इसके बाद अधिकृत रूप से शहर में सब्जी विक्रय कराने का प्लान फेल हो गया।

ठेलेगाड़ी पर रखी हरी सब्जियां। ● फाइल फोटो

मालूम हो कि हरी सब्जी मंडी तीन मई से बंद है। इस वजह से ग्रामीण क्षेत्रों से चोरी-छिपे ठेले, साइकल, बाइक पर फेरी लगाने वाले व्यापारी सब्जियां शहर में विक्रय कर रहे हैं। कई जगह छोटे-छोटे पैकेट में सब्जी बेची जा रही है। इसमें भी तौल को लेकर विवाद होते हैं। इसके चलते प्रशासन ने मैजिक वाहन से आपूर्ति करने की तैयारी की गई थी। फुटकर विक्रय पर रोक व सब्जी मंडी बंद होने से लोग मजबूरी में महंगे दाम पर खरीदी कर रहे हैं। इधर हर दिन शहर से गांव तक सब्जी के लिए सैकड़ों लोग आना जाना भी कर रहे हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा भी कायम है।

मंडी सचिव एसएन गोयल ने बताया की जिला प्रशासन के आदेश पर सब्जी विक्रेताओं की सूची उनके आवेदन के अनुसार बना रहे थे और सभी व्यापारी कोरोना टेस्ट कराने को भी तैयार थे। जब पैकेट में सब्जी विक्रय करने की बात आई तो व्यापारियों ने मना कर दिया। इसके बाद अधिकृत रुप से सब्जी विक्रय की कोई व्यवस्था अभी तक नहीं बनी है।

सब्जी खराब होने से नुकसान

सब्जी व्यापारी मुकेश गोस्वामी ने बताया कि पैकेट में एक निश्चित मात्रा में सब्जी रखनी पड़ती है। यदि खरीददार को उससे कम ज्यादा मात्रा चाहिए तो पैकेट खोलना पड़ेगा या मना करना पड़ेगा। हर वजन के पैकेट बनाना भी संभव नहीं है। ऐसे में नुकसान होता है। पिछले साल यह व्यवस्था लागू हुई थी तो नुकसान हुआ था, इसलिए मना कर दिया है। इसी तरह कुशाल भारती ने बताया कि पैकेट में हरी सब्जी खराब भी जल्दी होती है। न बिकने की स्थिति में नुकसान होता है। सामूहिक रुप से व्यापारियों ने निर्णय लिया कि पैकेट में सब्जी विक्रय नहीं करेंगे

हरी मिर्च 100 तो आलू-प्याज 40 रुपये किलो

खुदरा सब्जी विक्रय में अभी मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं। हरी मिर्च 80 से 100 रुपये किलो, कच्ची कैरी 80 रुपये, आलू-प्याज 25 से 40, गिलकी-कद्दू-गवारफली 80, अदरक 100 रुपये, टमाटर 50 से 60 रुपये किलो तक बेचा जा रहा है।

नईदुनिया

टीकाकरण

45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 17 स्थानों पर लगेंगे टीके

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में 21 मई को 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 17 स्थानों पर कोविड (कोविशील्ड) का पहला और दूसरा टीका लगाया जाएगा। जिले में शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल आलोट, ग्राम पंचायत आक्याकलां,

मांगलिक भवन जनपद पंचायत के पास बाजना, बालक छात्रावास क्रमांक 2 जिला सहकारी बैंक के पास रावटी, ग्राम पंचायत भवन कुंदनपुर, ग्राम पंचायत भवन रानीसिंग, महात्मा गांधी स्कूल जेल रोड जावरा, ग्राम पंचायत आलमपुर, ग्राम पंचायत बहादुर जागीर, जनपद पंचायत पिपलोदा, शासकीय कन्या स्कूल सुखेड़ा, मांगलिक भवन जूनावास मोहल्ला सैलाना, ग्राम पंचायत शिवगढ़, ग्राम पंचायत भवन धराड, शासकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय धामनोद, आफिसर्स क्लब डीआरएम ऑफिस के पास दो बत्ती रतलाम, कम्युनिटी हॉल अल्कापुरी केन्द्रों पर टीके लगाए जाएंगे। जिले के पुराने कलेक्टोरेट रतलाम एवं औद्योगिक क्षेत्र रतलाम केन्द्र पर केवल फ्रंटलाईन वर्कर्स को को वैक्सीन का दूसरा टीका लगाया जाएगा। 18 से 44 वर्ष आयु समूह के अंतर्गत शुक्रवार को जिले में कहीं भी टीकाकरण नहीं किया जाएगा। शनिवार को आयोजित होने वाले सत्रों के लिए शुक्रवार को प्रात 10 से 10.30 बजे के ...

पत्रिका 21-5-21

निवास स्थान के बाहर टीका लगाने पर होगी कार्रवाई

18 से 44 वर्ष के लोगों के टीकाकरण को लेकर कलेक्टर ने दिए निर्देश

नईदुनिया
खबर का असर

रतलाम। 18 से 44 वर्ष के लोगों को कोरोना टीका लगाने के लिए स्लाट बुकिंग में चल रही गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त हुआ है। अब कोई व्यक्ति अपने निवास स्थान वाले केंद्र से हटकर बाहर किसी केंद्र पर टीका लगवाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने इस संबंध में गुरुवार को वीसी लेकर जनपदों के सीईओ को आदेश जारी किए हैं। इसके बाद एसपी गौरव तिवारी ने सभी थाना प्रभारियों को दिशा निर्देश दिए हैं।

मालूम हो कि अभी ग्रामीण क्षेत्रों के केंद्रों पर उज्जैन, नीमच, मंदसौर, इंदौर से लोग स्लाट बुक कराकर टीका लगवाने पहुंच रहे थे। इससे स्थानीय लोगों को टीका लगवाने का अवसर नहीं मिल पा रहा था, जिससे उनमें नाराजगी थी। नईदुनिया इस परेशानी को उजागर करते हुए 20 मई के अंक में 'इंदौर-उज्जैन के लोग ग्रामीण केंद्रों पर लगवा रहे टीका' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद व्यवस्था बदली गई।

आज 17 स्थानों पर लगेंगे टीके

शुक्रवार को 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 17 स्थानों पर कोविड (कोविशील्ड) का पहला और दूसरा टीका लगाया जाएगा। शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल बस स्टैंड के पास आलोट, ग्राम पंचायत आक्याकलां, मांगलिक भवन जनपद पंचायत के पास बाजना, बालक छात्रावास क्रमांक-दो जिला सहकारी बैंक के पास रावटी, महात्मा गांधी स्कूल जेल रोड जावरा, ग्राम पंचायत भवन कुंदनपुर, रानीसिंग, आलमपुर, बहादुर जागीर, शिवगढ़, धराड, जनपद पंचायत

पिपलोदा, शासकीय कन्या स्कूल सुखेड़ा, मांगलिक भवन जूनावास मोहल्ला सैलाना, शासकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय धामनोद, आफिसर्स क्लब डीआरएम आफिस के पास दो बत्ती रतलाम, कम्युनिटी हाल अलकापुरी केंद्रों पर टीके लगाए जाएंगे।

जिले के न्यू कलेक्टोरेट व औद्योगिक क्षेत्र रतलाम केंद्र पर केवल फ्रंटलाइन वर्कर्स को को-वैक्सीन का दूसरा टीका लगाया जाएगा। 18 से 44 वर्ष आयु समूह के अंतर्गत शुक्रवार को जिले में कहीं भी टीकाकरण नहीं किया जाएगा।

प्रतिदिन गांव की कमेटियों से चर्चा करें

कलेक्टर ने वीसी में निर्देश दिए कि जिले की जनपदों के सीईओ रोजाना गांवों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों से रेंडमली चर्चा कर उनके गांव में कोरोना संक्रमण की जानकारी लें और फीडबैक के आधार पर कार्ययोजना बनाए। ग्रामों में सर्वेक्षण दलों के पास थर्मल स्कैनर हो प्रत्येक व्यक्ति का तापमान नोट किया जाए।

कल से किराना सामान की होम डिलीवरी भी बंद

कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के दृष्टिगत जिले में 23 मई से किराना सामग्री की होम डिलीवरी व वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग आगामी आदेश तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

नई दुनिया, 21.5.21

स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा बढ़ा, एक्टिव केस में कमी

कोरोना से जंग ● जिले में रोकथाम के लिए व्यवस्थाओं में बदलाव के साथ उठा रहे सख्त कदम

200 से अधिक नए संक्रमित अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में हर दिन सामने आ रहे थे

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में बेकाबू कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लगातार व्यवस्थाओं में बदलाव कर सख्त कदम उठाए जा रहे है। बीते ग्यारह दिनों से नए संक्रमितों की संख्या में कमी आने से जिलेवासियों के साथ शासन-प्रशासन द्वारा राहत महसूस की जा रही है। कोरोना पर पूरी तरह काबू पाने के लिए जिले में 31 मई तक टोटल लाकडाउन घोषित कर दिया गया है। पुलिस द्वारा लाकडाउन में बेवजह घूमने वालों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जा रहा है।

अप्रैल 2021 में शुरू हुई कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में कई लोग असमय काल कलवित हो चुके हैं। मौत का सिलसिला अभी भी जारी है, लेकिन बीते कुछ दिनों से लगातार नए संक्रमितों की संख्या घट रही है। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में जहां हर दिन 200 से अधिक नए संक्रमित सामने आ रहे थे, वहीं मई के शुरुआती सप्ताह में आंकड़ा बढ़कर 300 के पार पहुंचकर 400 के करीब आ गया था। जिले में बेकाबू कोरोना की रफ्तार को रोकने के लिए शासन स्तर पर कलेक्टर गोपालचंद्र डाड का तबादला कर कुमार पुरुषोत्तम को जिले की कमान सौंपी गई।

नवागत कलेक्टर ने पदभार ग्रहण करने के बाद कोरोना की रोकथाम के लिए कई बदलाव किए। जिले में कई स्थानों पर कोविड केयर सेंटर बनाए गए, जहां मरीजों के बेहतर उपचार के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्य में शासन-प्रशासन के अलावा समाजसेवी और विभिन्न संगठन भी सहयोग के लिए आगे आ रहे हैं। नए कोविड केयर सेंटर खुलने से शासकीय मेडिकल कालेज सहित निजी अस्पतालों पर दबाव कम पड़ा है। पहले गंभीर मरीजों को बेड के साथ जरूरी दवाइयां, इंजेक्शन, उपकरण भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे। अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है और नए संक्रमितों का आंकड़ा 200 के अंदर पहुंच गया है। लगातार स्वस्थ होने वाले मरीजों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है।

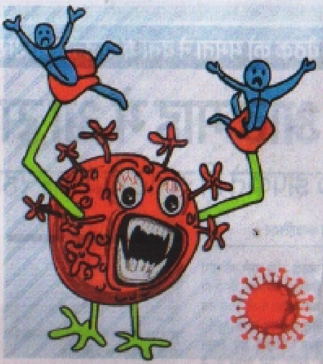

कोरोना की चाल पर नजर

तारीख	मरीज मिले	स्वस्थ हुए	मौत	एक्टिव मरीज
08 मई	398	055	06	3038
09	360	039	05	3354
10	350	078	05	3621
11	330	215	05	3736
12	305	314	05	3722
13	298	282	06	3732
14	270	277	04	3721
15	244	369	04	3592
16	190	344	04	3434
17	170	321	01	3282
18	160	377	03	3062
19	162	338	05	2881

20वें दिन 278 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे

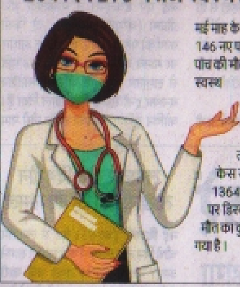

मई माह के 20वें दिन गुरुवार को 146 नए पाजिटिव केस सामने आए। पांच की मौत हुई। 278 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 2744 है। जिले में अब तक 16672 पाजिटिव केस सामने आ चुके है, वहीं 13647 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का कुल आंकड़ा 281 पर पहुंच गया है।

कोरोना काल में एक-दूसरे की मदद करें

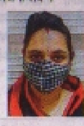

मरीज के क्षेत्र में कंटेनमेंट बनाकर संक्रमण को काबू किया जा सकता है। किल कोरोना सर्वे में आपके घर जब भी स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच करने आए उन्हें सहयोग करें। साथ ही अपने और परिवार के सभी पात्र सदस्यों को वैक्सीन जरूर लगवाएं। मुंह पर मास्क लगाना बहुत जरूरी है। - **प्रिया सुखाड़िया**, गृहिणी, शुक्रवारिया जावरा

पहले रेमडेसिविर, फिर आक्सीजन और अब ब्लैक फंगस की दवाइयों के लिए लोग मेडिकल की दुकानों के सामने कतार लगाने को विवश है। सरकार को तुरंत इनकी आपूर्ति की ओर ध्यान देना चाहिए। यदि सर्दी, खांसी, बुखार, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी है तो स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाना चाहिए। **-गोपाल सिंघल**, थोक किराना व्यवसायी, कोठी बाजार जावरा

महामारी के समय तन की दूरी जरूर रखें, पर मन की दूरी नहीं रखें। सभी को इस समय अपनों की बहुत जरूरत है। आप केवल फोन पर ही अपनों का हाल चाल पूछ कर उन्हें सकारात्मक माहौल प्रदान कर सकते है। इस समय हम सबको निस्वार्थ भाव से सभी की सेवा करनी चाहिए। - **मनीष ओस्तवाल** (लोदवाला), समाजसेवी, सोमवारिया जावरा

इस वैश्विक महामारी के समय दोस्तों और रिश्तेदारो से न मिलेंगे तो भी चलेगा, पर अपने अस्वस्थ हुए तो बिल्कुल नहीं चलेगा। अपनों से मिलना भी हो तो फोन या वीडियो काल से बातचीत करके हम अपने संबंधों को निभा सकते है। मुसीबत के समय किसी भी प्रकार की जिन्हें आवश्यकता हो उनकी सहायता जरूर करनी चाहिए। **-निकिता चौपड़ा**, छात्रा, सुतारीपुरा जावरा

हम अपने आप को सकारात्मक रखें व इस कोरोना काल में एक-दूसरे की मदद करें। सरकार को 18 प्लस का वैक्सीनेशन ग्रामीण व तहसील स्तर पर भी शीघ्र शुरू करना चाहिए, ताकि इस महामारी से बचा जा सके। जब भी आपकी बारी आए दोनों टीके जरूर लगवाएं। अभी मास्क ही वैक्सीन है। **-पवन पाटनी**, अध्यक्ष, दिगंबर जैन समाज, सोमवारिया जावरा

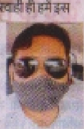

कोरोना संक्रमण से बचना है तो हमें मास्क और शारीरिक दूरी का पालन करना जरूरी है। हमारी लापरवाही ही हमें इस संक्रमण की ओर ले जाती है। जरूरी काम के लिए घर से बाहर निकलते वक्त मास्क जरूर लगाएं। वैक्सीन लगाने का नंबर आए, तब सारे काम छोड़कर टीका लगाने केंद्र पर पहुंचे। **- रमेश नायक**, रेलवे कालोनी, आलोट

कल से ई-पास लेकर ही निकल सकेंगे बाहर 31 तक सख्ती बढ़ेगी

रतलाम। कोरोना कर्फ्यू में शहर में बेवजह घूमने वालों पर अब सख्ती की जाएगी। 22 मई से बगैर पास के कोई भी व्यक्ति शहर में इधर-उधर घूम नहीं सकेगा, आ-जा नहीं सकेगा। अभी कई लोग बगैर किसी ठोस कारण या किसी बहाने से शहर में घूम रहे हैं। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। इसके नियंत्रण के लिए सख्ती से पालन करना जरूरी है।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि ई-पास बनाने के लिए आनलाइन आवेदन जो मोबाइल से किया जा सकेगा। आवेदन में नाम, पता, आधार नंबर की आवश्यकता होगी। चार घंटे में ई-पास बनकर संबंधित आवेदक के मोबाइल पर पहुंच जाएगा। ई-पास लेने के बाद भी संबंधित व्यक्ति को अपनी आइडी अपने साथ रखना होगी। आनलाइन आवेदन करने में असमर्थ लोग वाट्सएप पर आवेदन प्रेषित कर सकेंगे। उन्हें वाट्सएप पर अनुमति मिल जाएगी। जिले के अन्य स्थानों से आने वाले व्यक्तियों को भी ई-पास बनवाना अनिवार्य होगा।

इन कार्यों के लिए जारी होंगे पास

अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर, स्वजन, चिकित्सकीय परामर्श, कोविड जांच, सीटी स्कैन, ब्लड जांच, एक्स-रे, सोनोग्राफी आदि की जांच व मेडिकल स्टोर से दवाई लेने, निकटतम की मृत्यु होने संबंधी एवं अतिआवश्यक कार्य के लिए पास जारी होंगे। पास की वैधता कार्य एवं परिस्थितियों के अनुसार रहेगी। ई-पास बनवाने के लिए एां:// चिानचर्सीचजर्ज.ह लिंक का उपयोग किया जा सकता है। आनलाइन आवेदन में कोई समस्या होने पर लोक सेवा प्रबंधक अंकित बघेल (मोबाइल नंबर 7879824547) से परामर्श लिया जा सकता है।

टेलीमेडिसिन एवं सलाह के लिए 1075 पर काल करें

कोरोना से स्वस्थ हो चुके मरीज स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या एवं परामर्श के लिए 1075 नंबर पर काल कर सकते हैं। इस नंबर पर वे व्यक्ति भी काल कर सकते हैं जो बीमार नहीं हैं, लेकिन अपनी शंकाओं का समाधान चाहते हैं।

कलेक्टर-एसपी ने की अपील...लोग मॉर्निंग वॉक और इवनिंग वॉक पर ना निकले

अब शहर में नया सिस्टम : घर से बाहर निकलने के

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. रतलाम में अब घर के बाहर निकलने के लिए भी आमजन को ई-पास बनवाना पड़ेगा। बिना पास के सड़क पर नजर आने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस केस दर्ज करने के साथ ही उसे अस्थाई जेल में भेजेगी। पुलिस और प्रशासन ने कोरोना की रफ्तार को रोकने के लिए आमजन से बिना वजह किसी भी कार्य से घर के बाहर नहीं निकलने की अपील की है। साथ ही कहा कि लोग मॉर्निंग वॉक और इवनिंग वॉक के लिए भी न निकले, यदि निकलते है तो उनके खिलाफ भी केस दर्ज किया जाएगा।

प्रशासन ने की नई व्यवस्था

आगामी 22 मई से लागू कर रहा है। बगैर पास के कोई भी व्यक्ति शहर में इधर-उधर घूम नहीं सकेगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि निरीक्षण के दौरान देखने में आया है कि प्रायः कई लोग बगैर किसी ठोस कारण के या किसी बहाने से शहर में घूमते पाए गए हैं जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। शहर में संक्रमण अभी बरकरार है, इसके नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन हो।

व्हाट्सएप से भी मिलेगी अनुमति

कलेक्टर ने बताया कि ई-पास बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा जो मोबाइल से किया जा सकेगा जिसमें नाम, पता, आधार नंबर की आवश्यकता होगी। मात्र 4 घंटे में ई-पास बनकर संबंधित आवेदक के मोबाइल पर पहुंच

जाएगा। ई-पास हासिल होने के बाद भी संबंधित व्यक्ति को अपनी आईडी अपने साथ रखना होगी जो व्यक्ति ई-पास के लिए ऑनलाइन आवेदन

सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़क एक साल में नहीं बनी

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में कोरोना कर्फ्यू के बीच सीवरेज पाइप लाइन का काम चल रहा है। हरदेवलाला की पीपली चौराहा से मोचली चौराहा के बीच भाटों का वास में सड़क के मध्य पाइप लाइन डालने के बाद मिट्टी डाल दी गई, जबकि डामरीकरण होना चाहिए। बारिश के कारण सड़क पर कीचड़ व बड़े-बड़े गड्ढे भी हो गए हैं। इससे लोगों को यहां से आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है।

पूर्व पार्षद प्रतिनिधि एवं कांग्रेस नेता इक्का बेलूत ने बताया कि इस समस्या के निदान के लिए नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया, सीवरेज प्रभारी श्याम कुमार सोनी व अन्य अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक समस्या यथावत है।

अधिकारी गुमराह कर रहे हैं, कभी कहते हैं ठीक करा देंगे तो कभी कहते हैं नई सड़क पास हो गई है, इसलिए मरम्मत नहीं करा रहे हैं। सीवरेज पाइप डालने के बाद तत्काल सड़क का निर्माण हो जाना चाहिए था।

नई दुनिया।

21 5 21

कोरोनाकाल में स्वजन को खोने वाले 164 बच्चों को मिलेगी सरकारी मदद

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में कोरोनाकाल में अनाथ हुए आठ बच्चों की पहचान की गई है और इन्हें अब पांच हजार रुपये की मासिक पेंशन सरकार देगी। इसके अलावा 156 ऐसे बच्चे मिले हैं, जिनके माता-पिता में किसी एक की मृत्यु हुई है। इन्हें भी महिला बाल विकास विभाग की योजना से दो हजार रुपये की मासिक आर्थिक मदद दी जाएगी।

कोरोना से स्वजनों को खो देने वाले बच्चों की पहचान करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला बाल विकास विभाग का अमला सभी विकास खंडों में सर्वे कर रहा है। प्रारंभिक सर्वे में 164 बच्चे चिन्हित किए गए हैं। ये ऐसे बच्चे हैं जिनके माता-पिता की कोरोनाकाल में मृत्यु हुई है और अब इनकी देखरेख करने वाला परिवार में कोई जिम्मेदार व्यक्ति या कमाने वाला नहीं है। ऐसे बच्चों को सरकारी स्तर पर आर्थिक सहायता देने के साथ ही निशुल्क शिक्षा का प्रबंध किया जाएगा। इन्हें पात्र न होने के बाद भी मुफ्त सरकारी राशन दिया जाएगा। कक्षा एक से बारहवीं तक की पढ़ाई का इंतजाम सरकार करेगी और 21 साल तक पेंशन भी देगी। हाल ही में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की घोषणा के बाद जिले में सर्वे शुरू किया गया है। महिला बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता लोढ़ा ने बताया कि सर्वे चल रहा है।

नई दुनिया

21.5.21